चूड़ी कारखाने में 18 घंटे काम कर रहे बिहार के 22 बच्चों का रेस्क्यू

500-500 रु. एडवांस देकर 7 से 17 वर्ष के बच्चों को बिहार से लाया था कारखाना संचालक

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । भट्टा बस्ती पुलिस ने एनजीओ की मदद से बाल मजदूरी का बड़ा खुलासा करते हुए चूड़ी कारखाने से 22 बच्चों को मुक्त करवाया है। ये एक छोटे से कमरे में एक साल से काम कर रहे थे। रेस्क्यू किए गए बच्चों की उम्र 7 से 17 साल तक है। इन बच्चों को आरोपी शहनवाज उर्फ गुड्डू 500-500 रुपए एडवांस देकर लाया था।

- **पुलिस दबिश की सूचना पाकर अपने चार बच्चों को घर पर छोड़कर आरोपी दंपत्ति फरार**
- **बच्चों ने बताया कि बीमार होने व काम सही तरीके से नहीं करने पर लोहे की रॉड से पीटता था आरोपी**

शुरुआती पूछताछ में सामने आया कि बच्चों से सुबह 6 से रात 12 बजे तक काम करवाया जा रहा था। अगर किसी बच्चे की तबीयत खराब होती तो उसे आरोपी शहनवाज लोहे की रॉड से पीटता था, उनसे जबरदस्ती काम करवाता। पुलिस रेड की जानकारी मिलने पर आरोपी पत्नी के साथ मौके से भाग गया, लेकिन मौके पर अपने चार बच्चों को छोड़ गया। बचपन बचाओ आंदोलन संस्था को इन बच्चों के बारे में जानकारी मिली थी। जिस घर में बच्चों से बाल मजदूरी कराई जाती थी। उस घर में पिछले एक माह से बच्चों की पिटाई और रोने की आवाज आ रही थी। इस पर कॉलोनी के लोगों ने ही बचपन बचाओ आंदोलन को इसकी जानकारी दी।

बचपन बचाओ आंदोलन संस्था के साथ चाइल्डलाइन, प्रयास संस्था, बाल विकास धारा, डीसीपीयू, बाल कल्याण समिति, मानव तस्करी विरोधी यूनिट और भट्टा बस्ती थाना पुलिस ने घर पर रेड की। इस दौरान आरोपी ने घर पर बाहर से ताला लगा रखा था। बच्चे पहली मंजिल पर काम कर रहे थे। बचपन बचाओ आंदोलन संस्था के सदस्य दूसरे मकान की छत पर जाकर आरोपी के घर में कूदे। इसके बाद बच्चों को रेस्क्यू किया।

रेस्क्यू के बाद बच्चों का मेडिकल कराया गया। इनमें से 11 साल का एक बच्चा जांच में कुपोषित निकला। इसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। दूसरे बच्चे ने छाती में दर्द की शिकायत की। पता चला कि आरोपी ने उसे कुछ दिन पहले ही पीटा था क्योंकि उसने चूड़ी पर सीधे मोती नहीं लगाए थे। आरोपी ने उसे पहले लोहे की रॉड से मारा, फिर छाती पर लात मारी। मासूम बच्चा दर्द से चिल्लाता रहा, लेकिन आरोपी शहनवाज नहीं रुका। डॉक्टर ने बच्चे की पसलियों में सूजन बताई है। रेस्क्यू टीम ने सभी बच्चों की उनके परिवार के सदस्यों से बात कराई है।

प्रारम्भिक पूछताछ में बच्चों ने बताया कि आरोपी शहनवाज उन्हें बिहार के सीतामढ़ी और मुजफ्फराबाद से लेकर आया है। आरोपी ने उनके माता-पिता को 500 से 1000 रुपए अग्रिम राशि दी है। इसके बाद आरोपी उन्हें जयपुर लेकर आया, फिर 18 घंटे काम लेता है। इन बच्चों के साथ जानवरों से भी बुरा व्यवहार होता है। कई दिनों तक इन बच्चों को नहाने नहीं दिया जाता। बच्चों को बीमारियां हो गई हैं। खाने में सिर्फ खिचड़ी, चाय और बिस्किट दिए जाते हैं।

बचपन बचाओ आंदोलन की कॉर्डिनेटर पार्वती ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी। इस पर मैंने पूरी टीम के साथ ऑपरेशन करने की बात साझा की। सोमवार दोपहर 12 बजे टीम के 12 सदस्यों को लेकर आरोपी शहनवाज के घर पहुंचीं। आरोपी ग्राउंड फ्लोर पर ताला लगाकर निकल चुका था। हमने पडौसी की छत से कूद कर घर में प्रवेश किया और बच्चों को रेस्क्यू किया।

पार्वती ने बताया कि आरोपी दो-चार की संख्या में बिहार से बच्चे लाता था। कुछ बच्चे एक माह पहले लाए गए। कुछ बच्चे एक साल से आरोपी के पास काम कर रहे हैं। बच्चों ने काउंसलिंग के दौरान खुद के साथ मारपीट, खाना नहीं देने और 18 घंटे काम कराने की बात बताई।

भट्टा बस्ती सीआई विनोद कुमार ने बताया कि बाल मजदूरी की जानकारी मिलने पर पुलिस टीम को मौके पर भेजा गया। मौके पर आरोपी के चार बच्चे मिले। आरोपी अपनी पत्नी के साथ मौके से फरार है। उसकी तलाश की जा रही है। जल्द उसे गिरफ्तार किया जाएगा।

40 गज भूमि पर बेसमेंट समेत 3 मंजिला अवैध दुकान बनाई

पिछले आठ माह से जेडीए और भूखंड़ मालिक नोटिस-जवाब का खेल खेलते रहे, अब निर्माण पूरा होने के बाद प्रवर्तन टीम ने इमारत सीज की

जयपुर (कासं)। मालपुरा गेट स्थित भैरव कॉलोनी में 40 गज जमीन पर भूखंड़ मालिक ने बेसमेंट समेत 3 मंजिला दुकान बना दी, जिसे जेडीए की प्रतवर्न टीम ने मंगलवार को सील किया।

जेडीए के मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन रघुवीर सैनी ने बताया कि सांगानेर क्षेत्र के मालपुरा गेट इलाके में गैरअनुमोदित भैरव कॉलानी है। जहां भूखंड़ मालिक ने 40 गज जमीन पर बेसमेंट समेत 3 मंजिला दुकान बना दी। इस अवैध

- **मालपुरा गेट स्थित भैरव कॉलोनी में हुआ था अवैध निर्माण**

निर्माण की शिकायत मिलने पर 6 अक्टूबर 2022 को भूखंड़ मालिक को धारा 32-33 का नोटिस जारी किया और अवैध निर्माण रूकवाया। इसके बाद भूखंड़ मालिक ने जेडीए के नोटिसों का जवाब दिया, लेकिन तकनीकी परीक्षण में यह जवाब स्वीकार योग्य नहीं था।

मजेदार बात यह है कि जेडीए प्रशासन पिछले साल अक्टूबर माह से अब तक भूखंड़ मालिक को नोटिस थमाता रहा, जिसका प्लॉट मालिक भी जवाब देता रहा। पिछले 8 माह से यह नोटिस-जवाब का खेल जारी था, इसी वक्त में दुकान की तीसरी मंजिल भी डल गई।

आखिरकार मंगलवार को जेडीए की प्रवर्तन टीम ने ईंटों की दीवार चुनवाकर, शटर पर ताले, सील चपडी लगाकर सीलिंग की कार्यवाही की गई।

जेडीए की प्रवर्तन टीम ने मालपुरा गेट इलाके में बनी अवैध दुकान के शटर के आगे ईंटों की दीवार बना सीलिंग की कार्रवाई की।

भाजपा का भ्रष्टाचार पर सचिवालय घेराव, जोशी-राठौड़ का पहला शो फ्लॉप

भीड़ का दावा फेल, किरोड़ी टोंक, सवाईमाधोपुर, दौसा से लाये लोग

जयपुर । राजस्थान में भाजपा भ्रष्टाचार को चुनावो में बड़ा मुद्दा बनाना चाह रही है, लेकिन इसकी शुरुआत में शासन सचिवालय को घेराव का जयपुर में पहला प्रदर्शन ही फ्लॉप शो रहा। खास यह भी है कि प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद सीपी जोशी और नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ की ताजपोशी के बाद जयपुर में यह पहला प्रदर्शन था। लेकिन दावे के मुताबिक भीड़ नहीं आई। इस प्रदर्शन में जयपुर जिले के भाजपाइयों को ही आना था। मगर जयपुर में आपसी गुटबाजी पर दोनों नेता पार पाने में असफल रहे।

राठौड़ ने तो प्रदर्शन को लेकर पिछले 15 दिनों में जी-जान लगा दी थी, उन्होंने जयपुर जिले की टीम इकाइयों के जिलाध्यक्षों सहित पदाधिकारियों जयपुर के पार्षदों सहित प्रमुख नेताओं की बैठक भी ली थी और सभी को भीड़ लाने का टारगेट भी दिया गया था लेकिन उनकी मेहनत गुटबाजी ने फेल कर दी। जयपुर में 250 नगर निगम के वार्ड, 33 मंडल और तकरीबन 1800 से अधिक बूथ हैं। अगर भाजपा के कुल पदाधिकारियों की बूथ स्तर तक की टीम भी कार्यक्रम में आ जाती तो तकरीबन 7000 से ज्यादा लोग तो भाजपा के पदाधिकारी ही हो जाते। लेकिन भाजपा ऑफिस पर हुई सभा में लगाए गए टेंट और मौजूदा भीड़ को देखकर भाजपा के कई प्रमुख पदाधिकारियों और नेताओं ने भीड़ को देखकर असंतोष जाहिर किया। कुर्सियां खाली रहने के कारण सबसे ज्यादा चिंतित राजेंद्र राठौड़ दिखे।

उन्होंने मंच से उतरकर पार्टी कार्यालय के अंदर विभिन्न कमरों और कार्यालयों में जमा भाजपाइयों को खुद जाकर बाहर प्रदर्शन के कार्यक्रम में पहुंचने के निर्देश दिए। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी और राजेंद्र राठौड़ को संभवत: पहले ही इसकी आशंका थी, इसके चलते उन्होंने पहले 7 जून को प्रस्तावित शासन सचिवालय घेराव को स्थगित कर दिया और इसे 6 दिन बाद 13 जून यानी कि मंगलवार को रखने का फैसला किया था। बावजूद इसके अपेक्षित भीड़ नहीं जुट पाई। भाजपा के राज्यसभा सांसद किरोड़ी लाल मीणा को तो आसपास के जिलों से आशंकित होकर भीड़ लाने का टारगेट दिया गया था।

किरोड़ी प्रदर्शन के दौरान टोंक, सवाई माधोपुर और दौसा से बसों में भरकर अपने समर्थकों को लेकर यहां पहुंचे थे। हालांकि सचिवालय घेराव को सफल बनाने के लिए प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के घर जाकर मुलाकात करके आए थे। उसके बाद भी इस घेराव में न तो पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे पहुंची और न ही उनके कार्यकर्ता पहुंचे। वही इसके साथ कार्यक्रम में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व उप नेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया भी नहीं पहुंचे। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ता आपस में चर्चा करते नजर आए कि दोनों नेताओं ने इस कार्यक्रम से दूरी बनाने के लिए राज्य के बाहर अन्य कार्यक्रम तय कर लिए हैं।

अति. मुख्य सचिव ने किया निरीक्षण

जयपुर । अतिरिक्त मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग शुभ्रा सिंह ने मंगलवार को सीकर जिले के चिकित्सा संस्थानों का निरीक्षण किया एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने ठिकरिया प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि हमें अन्य संस्थानों को भी इसी मॉडल पीएचसी की तर्ज पर उत्कृष्ट बनाना चाहिए। उन्होंने एनक्यूएएस सर्टिफिकेट प्राप्त ठिकरिया पीएचसी में दवा संधारण के लिए अपनायी गयी व्यवस्था, उपलब्ध दवाईयों एवं जांचों के डिसप्ले सहित सभी व्यवस्थाओं को बेहतरीन बताया। एसीएस शुभ्रा सिंह ने इससे पूर्व रींगस सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं ट्रोमा सेन्टर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान चिकित्सकों ने लेप्रोस्कोप मशीन उपलब्ध कराने की मांग अतिरिक्त मुख्य सचिव से की। इस पर उन्होंने निदेशक जनस्वास्थ्य को निर्देश दिए कि उक्त उपकरण की खरीद आरएमआरएस से करवायी जाए।

'मुस्लिम परिषद् संस्थान के विरोध के बाद तौलियत का दर्जा खत्म'

'वक्फ बोर्ड की मीटिंग में विरोध के बाद तौलियत कमेटी का दर्जा वापस लेने का प्रस्ताव पारित हुआ'

जयपुर (कासं)। मुस्लिम परिषद् संस्थान के विरोध के बाद मुस्लिम मुसाफिरखाना जयपुर की कमेटी की तौलियत (आजीवन वैधता) का दर्जा खत्म हो गया है। इस मुद्दे को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता यूनूस चौपदार ने कार्यकर्ताओं के साथ मंगलवार को वक्फ बोर्ड कार्यालय पर विरोध-प्रदर्शन किया था।

- **सामाजिक कार्यकर्ता यूनूस चौपदार ने बोर्ड मीटिंग से पहले वक्फ बोर्ड चेयरमैन खानू खां बुधवाली के दफ्तर के बाहर विरोध-प्रदर्शन किया**
- **'मुस्लिम मुसाफिरखाना तौलियत कमेटी का गठन 27 जुलाई 2011 को किया था, लेकिन पिछले 2 वर्षों से इसका विरोध हो रहा था'**

यूनूस चौपदार ने बताया कि राजस्थान वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष खानू खान बुधवाली ने मंगलवार को बोर्ड मीटिंग बुलाई थी, बैठक में यह मुद्दा जोर-शोर से गूंजा। सभी की मांग थी कि मुस्लिम मुसाफिरखाने की तौलियत कमेटी को खत्म किया जाये और नई कमेटी का गठन हो। मैंने इस मुद्दे को लेकर तमाम वक्फ बोर्ड सदस्यों को ज्ञापन भी सौंपा था, जिसमें साफ चेतावनी दी थी कि अगर तौलियत कमेटी (आजीवन) को खत्म नहीं किया गया तो वक्फ बोर्ड का घेराव किया जायेगा। मंगलवार को विरोध-प्रदर्शन के बीच आदर्श नगर विधायक रफीक खान और वक्फ बोर्ड अध्यक्ष खानू खां बुधवाली और सीईओ ने वार्ता की और आश्वस्त किया था कि तमाम मांगें मानी जायेगी। इसके बाद बोर्ड मीटिंग में यह मुद्दा गूंजा, जिसमें सदस्यों ने तौलियत कमेटी का दर्जा वापस लेने का प्रस्ताव पारित किया।

यूनूस चौपदार ने बताया कि मुस्लिम मुसाफिरखाना तौलियत कमेटी का गठन 27 जुलाई 2011 को किया गया था। इसके बाद इसी कमेटी के सचिव व बोर्ड सदस्य शौकत कुरैशी ने की तौलियत(आजीवन) कमेटी का दर्जा देने अनुशंसा की। इसके लिए 150 नये कमरों, ऑडिटोरियम समेत बडे निर्माण के लिए तौलियत कमेटी बनाने की सिफारिश की गई थी। इस अनुशंसा पर 6 नवंबर 2015 को कमेटी को तौलियत का दर्जा दिया गया, लेकिन आज तक नहीं कोई भी निर्माण कार्य हुआ। इसके बावजूद पिछले 12 वर्षों से यह यह कमेटी काबिज है, इसके विरोध में पिछले 2 साल से अनेक संगठन लगातार विरोध कर रहे थे। जिनको आज न्याय मिला है।

जयपुर-उदयपुर रेलवे स्टेशन की अव्यवस्था पर प्रसंज्ञान

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने जयपुर और उदयपुर रेलवे स्टेशन सहित उदयपुर जाने वाली ट्रेन में अव्यवस्थाओं को लेकर स्वप्रेरित प्रसंज्ञान लिया है। इसके साथ ही अदालत ने अजमेर और जयपुर डीआरएम को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने इस आदेश मामले में स्वप्रेरित प्रसंज्ञान लेते हुए दिए। अदालत ने मामले की सुनवाई चार जुलाई को तय करते हुए उदयपुर के जिला एवं सत्र न्यायाधीश को कहा है कि वह मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट या रेलवे मजिस्ट्रेट से इस संबंध में तथ्यात्मक जानकारी लें।

मामले के अनुसार जस्टिस सुदेश बंसल ने 12 जून को सुबह 6.15 की ट्रेन से उदयपुर गए थे। उन्होंने देखा कि जयपुर रेलवे स्टेशन के प्रवेश द्वार पर अनियंत्रित निजी वाहनों के चलते यात्रियों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। निजी वाहनों को स्टेशन बिल्डिंग के बिल्कुल नजदीक जाने की छूट होने और इन्हें नियंत्रित करने के लिए रेलवे प्रशासन की ओर से कोई कार्रवाई भी नहीं की जा रही है। वहीं ट्रेन के अंदर बैठने की सीट, टॉयलेट और गेट आदि का भी उचित रखरखाव नहीं था। उदयपुर पहुंचने पर जस्टिस सुदेश बंसल ने पाया कि वेटिंग हॉल बंद था और मैन्टीनेन्स रजिस्टर भी नहीं था। वहीं स्टेशन मास्टर का ऑफिस भी बंद था। इसके साथ ही रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सहायता के लिए भी कोई व्यवस्था नहीं थी। दूसरी ओर वेटिंग हॉल बंद होने और यात्रियों के लिए अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में कोई जवाब देने वाला तक नहीं था। इसी तरह स्टेशन पर एरिया ऑफिसर व उच्चाधिकारियों के संपर्क नंबर नहीं थे। जस्टिस बंसल ने माना कि इन सुविधाओं को लेना यात्रियों का कानूनी अधिकार है, लेकिन उन्हें यहां परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में अदालत ने मामले में स्वप्रेरित प्रसंज्ञान लेते हुए रेलवे प्रशासन से जवाब तलब करते हुए उदयपुर डीजे से तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी है।

छात्रा ने फांसी लगाकर जान दी

जयपुर । राजधानी के सिविल लाइंस क्षेत्र में प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रही छात्रा ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस को उसका शव चुन्नी से फंदे पर लटका मिला। कमरे में पड़े उसके मोबाइल पर लगातार कॉल आ रहे थे। सोडाला पुलिस ने शव को कब्जे में लिया। पुलिस ने सोमवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। मृतका के पिता का आरोप है बेटी के मरने से एक दिन पहले आरोपी लड़के ने कॉल कर उसे मारने की धमकी दी थी। पुलिस ने आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने बताया कि झुंझुनूं के चिड़ावा की रहने वाली पलक भारतीय (18) पुत्री रामावतार भारतीय ने आत्महत्या की है। वह सिविल लाइंस क्षेत्र में किराए से रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही थी। गत 11 जून की शाम उसने अपने कमरे में फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। पडौसी किराएदार की नजर उसके कमरे की खिड़की पर पड़ी तो उसने शव फंदे से लटका देखा, जिसके बाद मकान मालिक ने सोडाला पुलिस को आत्महत्या की सूचना दी।

नाला सफाई का मलबा सड़क पर देख नाराज हुए आयुक्त

हैरिटेज निगम कमिश्नर ने परकोटा घूमकर सफाई का जायजा लिया ।

जयपुर (कासं)। परकोटे में नाला सफाई का मलबा सड़क पर पड़ा देखकर हैरिटेज निगम कमिश्नर राजेन्द्र सिंह ने अफसरों को लताड़ लगाई। उन्होंने गणगौरी बाजार से रवाना होकर ब्रहापुरी 11 मोरी नाला, पौड़िक पार्क, आयुर्वेद संस्थान के पीछे के नाले, आमेर रोड स्थित छोटे नालों व रेम्बो रेस्टोरेन्ट के पास स्थित ब्रहम्पुरी नाले व खोले के हनुमानजी मार्ग से ट्रांसपोर्ट नगर नाले का निरीक्षण किया। इस दौरान जगह-जगह पर नालों की सफाई कर निकाला गया मलबा सड़क पर पड़ा मिला, जिस पर कमिश्नर ने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने तुरंत मलबा हटाकर रिपोर्ट सौंपने को कहा। इसके बाद आयुक्त ने इंदिरा गांधी शहरी रोजगार योजना के तहत करवाये जा रहे बावड़ियों के जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण कार्यों का भी निरीक्षण किया। इस दौरान कुछ जगहों पर पूर्व में किये गये पेन्टिग कार्य की स्थिति सही नहीं देखकर भी असंतोष जताया।

'द वीक पत्रिका' की सूची में आया सुबोध कॉलेज

जयपुर । एस.एस.जैन सुबोध पी.जी.कॉलेज भारत के शीर्ष कॉलेजों की सुप्रतीष्ठित 'द वीक पत्रिका' द्वारा घोषित सूची में अपना गरिमामयी स्थान बनाने में सफल हुआ है। कॉलेज ने राजस्थान में सभी संकायों में श्रेष्ठ प्रदर्शन कर इतिहास रचा है, जिसका मुख्य कारण शैक्षणिक ज्ञान और अनुसंधान के प्रतीक के रूप में एक प्रतिष्ठित स्थिति को स्थापित करना है। महाविद्यालय द्वारा उच्च शिक्षा के क्षेत्र में की गई अतुल्य प्रगति ने सफलता के नये आयाम स्थापित किये हैं। द वीक पत्रिका द्वारा जारी की गई संकाय आधारित रैंकिंग में कॉलेज को कॉमर्स के लिये 22वीं, साइंस के लिये 29वीं और कला के लिये 31वीं रेंक मिली है।

सार-समाचार

मंत्रालयिक एकता मंच की बैठक आज

एम.आई. रोड स्थित शहीद स्मारक पर मंत्रालयिक कर्मचारियों का अनशन मंगलवार को भी जारी रहा।

जयपुर । मंत्रालयिक एकता मंच की ओर से बुधवार को समस्त जिला संयोजक, विभागीय समिति अध्यक्ष एवं कार्यकर्ताओं की आपात बैठक शहीद स्मारक पर आयोजित होगी। बैठक में एक मंत्रालय संगठन द्वारा आधा अधूरा समझौता किए जाने के उपरांत उत्पन्न स्थिति और एकता मंच के 6 सूत्री मांग पत्र पर किए जाने वाले आंदोलन की रूपरेखा निर्धारित की जाएगी। उल्लेखनीय है कि मंत्रालयिक एकता मंच का क्रमिक अनशन जारी है। आज मंत्रालय की कर्मचारी परिषद के प्रदेश अध्यक्ष अनूप सक्सेना ने एकता मंच के अनशन स्थल पर आकर अपना समर्थन दिया। मंत्रालयिक एकता मंच द्वारा शहीद स्मारक पर 6 सूत्री मांग पत्र के समर्थन में पिछले 90 दिनों से क्रमिक अनशन जारी है। मंगलवार को मेडिकल कॉलेज के हरीश शिवनानी के नेतृत्व में लोकेश कुमार शर्मा, पंकज कोटिया, कैलाश मीणा, विष्णु मंगल एवं प्रदीप कुमार 24 घण्टे क्रमिक अनशन पर बैठे। मंत्रालयिक कर्मचारियों की ओर से अपनी प्रमुख मांगों सहायक प्रशासनिक अधिकारी को ग्रेड पे 4200 व कनिष्ठ सहायक को आरंभिक वेतन 25500 किए जाने की प्रमुख मांगों के साथ 6 सूत्री मांग पत्र के समर्थन में 16 मार्च से शहीद स्मारक पर क्रमिक अनशन किया जा रहा है। आज अनशन कर्ताओं के समर्थन में राजेश पारीक, गजेंद्र सिंह राठौड़, सुरेश धाभाई, देवेन्द्र सिंह नरुका, शेर सिंह यादव, महेंद्र शर्मा, महेश शर्मा, छोटे लाल मीणा, लिखमाराम जाखड़, आनंद प्रकाश, आत्माराम जाट, विष्णु मंगल, सुभाष चंद्र लुगारिया, प्रदीप गुर्जर, विनोद कुमावत, अनूप सक्सेना, कमलेश शर्मा, कुलदीप सिंह, तेज सिंह, राकेश मीणा, सुरेश नारायण शर्मा, आरजी शर्मा, विजय सिंह, महेंद्र सिंह, हनुमान सिंह तंवर , रविंद्र जोशी, राजेंद्र राजोरिया, ललित मोहन शर्मा व सुरेश यादव सहित अन्य कर्मचारी अनशन पर बैठे।

मंगलवार को कोई नया संक्रमित नहीं

जयपुर । प्रदेश में मंगलवार को करोना संक्रमण का एक भी मामला सामने नहीं आया है। हालांकि अभी राज्य में 17 संक्रमितों का इलाज जारी है। प्रदेश में मंगलवार को करोना से और राहत मिली है। इस दौरान राज्य में न कोई नया संक्रमित मिला और न ही किसी मरीज की मौत हुई है। हालांकि राज्य में अब तक इस बीमारी से 9735 लोगों की मौत हो चुकी है। प्रदेश में इस बीच 2167 कोविड जांच की गई है। राज्य में पिछले चौबीस घंटों में एक भी मरीज के रिकवर नहीं होने से एक्टिव 17 ही बने हुए हैं। इनमें उदयपुर में 7, जयपुर में 3 तथा भरतपुर, बांसवाड़ा और अलवर में 2-2 और बीकानेर में एक मरीज का इलाज चल रहा है।

'वसुंधरा और पूनिया का नहीं आना भाजपा के मनभेद को उजागर कर गया'

डोटासरा ने भाजपा पर यह भी कटाक्ष किया कि भाजपा दावे के अनुरूप भीड़ नहीं जुटा पाई

जयपुर, (का.प्र.)। भाजपा के सचिवालय पर किये गये प्रदर्शन पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने कहा कि भाजपा ने भ्रष्टाचार के मुद्दे पर 30 हजार लोगों द्वारा सचिवालय के घेराव की घोषणा के बावजूद 1500 से अधिक लोग भी नहीं जुट सके। उन्होंने कहा कि मंच से कोई भी नेता ने राजस्थान सरकार की किसी भी योजना अथवा निर्णय के विरूद्ध नहीं बोला, क्योंकि भाजपा राजस्थान सरकार की लोककल्याणकारी योजनाओं के खिलाफ कमी नहीं निकाल सकी।

उन्होंने कहा कि भाजपा के नेता चुनावी वर्ष में भी अपनी एकता प्रदर्शित नहीं कर सके तथा आज के कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे एवं पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया ने दूरी बनाई। उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं में मतभेद नहीं मनभेद हैं जो खुलकर प्रदर्शित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि विश्व की सबसे बड़ी पार्टी का दावा करने वाली भाजपा के मंच से एक भी ओबीसी नेता को अपनी बात रखने का अवसर प्रदान नही किया गया।

डोटासरा ने कहा कि हाल ही कर्नाटक प्रदेश में हुई हार से बौखलाकर भाजपा के नेता राजस्थान प्रदेश में गैर जिम्मेदाराना वक्तव्य दे रहे हैं तथा राजस्थान की लोककल्याणकारी कांग्रेस सरकार के विरूद्ध झूठे आरोप लगाने की कुचेष्टा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेता झूठे आरोप लगाकर राजस्थान की जनता एवं राजस्थान कार्यपालिका का अपमान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेता सरकार आने का बताकर सरकारी कर्मचारियों को धमकी देने का कार्य भी कर रहे हैं जो कि लोकतांत्रिक मूल्यों के विरूद्ध है। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेता पिछले डेढ़ वर्ष से ईडी की कार्यवाही का राग अलाप रहे थे और अब प्रदेश में ईडी के आने से यह मुद्दा भी समाप्त हो गया है।

उन्होंने कहा कि भाजपा के नेताओं के भाषण से साबित हो गया है कि भाजपा के पास राजस्थान की लोककल्याणकारी सरकार के विरूद्ध कोई मुद्दा शेष नहीं रहा है जिस कारण प्रदेश में लग रहे मंहगाई राहत कैम्प एवं राजस्थान सरकार द्वारा दिये जाने वाली दस गारंटी के विरूद्ध बोलने के लिये उनके पास कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट लागू हो गये, प्रदेश में कोई एंटी इनकमबैंसी नहीं हैं, इसलिये आगामी चुनावों को लेकर भाजपा के नेता भयग्रस्त हैं। उन्होंने कहा कि खेमों में बंटी हुई भाजपा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चेहरे पर चुनाव लड़ने की बात कहती है किन्तु हाल ही में अन्य राज्यों में हुये चुनावों से साबित हो गया है कि मोदी के चेहरे की चमक फीकी पड़ गई है।

उन्होंने कहा कि सचिवालय में लोक सेवक द्वारा किये गये अपराध पर राजस्थान सरकार ने त्वरित कार्यवाही करते हुये अपराधी को पकड़ा तथा आला अधिकारियों ने तुरंत समस्त जानकारी पत्रकारों के समक्ष रखकर जनता को अवगत करवाया। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार आरपीएससी के सदस्य के अपराध के विरूद्ध जानकारी मिलते ही राज्य सरकार ने तुरंत कार्यवाही की, ऐसा उदाहरण मोदी सरकार अथवा पूर्ववर्ती भाजपा शासन में नहीं मिलता है।

उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती भाजपा शासन के दौरान खनन् घोटाले के आरोपी को गिरफ्तार करवाने के लिये दिल्ली तक कांग्रेस को आन्दोलन करना पड़ा था। उन्होंने कहा कि यदि पूर्ववर्ती भाजपा शासन में गड़बड़ी नहीं हुई थी तो आवंटित खानों को निरस्त क्यों किया गया। उन्होंने कहा कि भाजपा द्वारा किया गया आज का प्रदर्शन पूर्णतया असफल रहा तथा भाजपा नेताओं के भाषण के दौरान 90 प्रतिशत कुर्सियां खाली रही जो इस बात का द्योतक है कि राजस्थान की जनता ने भाजपा से दूरी बना ली है।